प्राप्त होता है। वही वास्तविक सत्य है।

3. [redacted] - (Theory of Organism)

यथार्थवाद के अनुसार संसार में जड़ तथा चेतन वस्तुएं एक अवयव बनाती हैं। व्हाइटहेड ने लिखा है "जगत विकास की प्रक्रिया में एक तरंगित अवयव है। परिवर्तन इस तरंगित जगत का मुख्य लक्षण है। शाश्वत वास्तविकता का सार तत्व प्रक्रिया है। मस्तिष्क को अवयव के कार्य के रुप में जानना चाहिए।"

4. [redacted] (Opposition of Idealism) यथार्थवाद में कल्पना का कोई स्थान नही है। यथार्थवादी इस यथार्थवादी विचारधारा बात का दावा करता है कि आत्मा, परमात्मा तथा परलोक शब्द केवल कल्पना की उपज हैं।

5. [redacted] (Man as a Part of Material world)

यथार्थवाद के अनुसार मानव भौतिक जगत का एक अंग मात्र है। उसके पास मन तथा ज्ञानेन्द्रियाँ हैं जिनके द्वारा वह भौतिक जगत की वस्तुओं को ज्ञान दृष्टि से देखता है।

6. [redacted] (Emphasis on Experiment)

यथार्थवादी दर्शन निरीक्षण तथा प्रयोग पर बल देता है। इस विचारधारा के अनुसार किसी अनुभव को उस समय तक स्वीकार नहीं किया जा सकता है जब तक उसका पूर्णरूपेण विश्लेषण न हो गया हो।

7. [redacted] (Importance of Present Applied Life)

यथार्थवाद के अनुसार आध्यात्मिक जगत को ज्ञानेन्द्रियों द्वारा नहीं समझा जा सकता है। अतः इस वाद के समर्थक आदर्शवादी दर्शन द्वारा प्रतिपादित आदर्शों, मूल्यों, नियमों, तथा स्वर्ग एवं नर्क के चक्कर में नहीं पड़ते अपितु भौतिक जगत की सत्यता पर बल देते हुए प्रत्यक्ष वस्तुओं तथा मानव के व्यावहारिक जीवन को अधिक महत्व देते हैं। इस प्रकार यथार्थवाद के अनुसार मानवीय जीवन का लक्ष्य सुखी जीवन व्यतीत करना है। जो केवल उस समय ही सम्भव हो सकता है जब भौतिक जगत की अधिकतम वस्तुओं का ज्ञान प्राप्त करके उनका पूरा उपयोग किया जाए।